Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 4, Petersburg 1865

Kathâs. 28, 152. इन्द्रियार्थैः — नरचित्तप्रमाथिभिः R. 1,9,4. R. Gorr. 2,9, 9. हृदय° Mâlav. 37. Häufig ohne obj.; von Personen MBh. 3, 15707. 4,428. 5,1853. अति° (दानव) Hariv. 8158. द्विरद MBh. 8, 688. इन्द्रियाणि प्रमाथीनि हरन्ति प्रसभं मनः Bhag. 2, 60. Bhâg. P. 7, 12, 7. MBh. 3, 13948. चञ्चलं हि मनः कृष्ण प्रमाथि बलवद्दृढम् Bhag. 6, 34. — 2) m. *a*) N. pr. eines Sohnes des Dhṛtarâshṭra (vgl. प्रमथ, प्रमाथ) MBh. 1,4552. 4,1748. eines Râkshasa 3, 16405. 16407. 16433. 16435. 6, 4083. R. 3, 29,32. 6,108,11. eines Affen 3,33. 69, 43. — *b*) Bez. *des 13ten* (*47ten*) *Jahres im 60jährigen Jupitercyclus* Varâh. Bṛh. S. 8, 33. 34. Journ. of the Am. Or. S. 6,180. Nach Varâh. Bṛh. S. 8,45. 46 auch N. *des 47ten Jahres*, aber hier offenbar ein Fehler für प्रमादिन्, wie man schon daraus ersehen kann, dass in diesem Jahre die Leute अलस *faul* sein sollen (Kern). — 3) f. °नी N. pr. einer Apsaras MBh. 1,4819. Hariv. 12473.

प्रमाद (von मद् mit प्र) m. 1) *Rausch, Trunkenheit:* देवाः) यत्ति प्रमादमतन्द्राः ṚV. 8,2,18. प्रमादादिव जत्पथ MBh. 2,859. — 2) *Fahrlässigkeit, Unaufmerksamkeit, Unachtsamkeit, Nachlässigkeit* P. 3,3,68, Sch. AK. 1,1,7,30. H. 1382. Halâj. 4,69. Muṇḍ. Up. 3,2,4. Kauç. 73. M. 12, 33. Jâǵń. 2, 164. 260. Suçr. 1, 102, 17. Çâk. 153. Spr. 275. 339. 1260. 2685. Râǵa-Tar. 5,213. 217. Kathâs. 15,61. 33,67. Ḱaurap. 1. Verz. d. B. H. 288, 11 v. u. Verz. d. Oxf. H. 163, *b*, N. रामे प्रमादं मा कार्षीः पुत्र भ्रातरि गच्छति R. 2, 40, 4. नहि राज्ञा प्रमादो वै कर्तव्यो मित्ररक्षणे MBh. 12,2989. अप्रमादश्च कर्तव्यः पुत्रि सत्यवता पथि Sâv. 4,28. अप्रमादो बले कोषे दुर्गे जनपदे तथा। कार्यस्ते R. Gorr. 2,52,6. अप्रमादेन 6,81, 7. खड्गप्रमाद *eine Unaufmerksamkeit —, eine Unbesonnenheit in Betreff des Schwertes* Kathâs. 42, 168. असकृनसखीश्रोत्रप्राप्ति° Spr. 588. Mit einem abl. constr. Vop. 5,20. — 3) *eine best. hohe Zahl* Vjutp. 180.182. Mél. asiat. IV, 640. — Vgl. अ° und अप्रमादम् absolut.

प्रमादवत् (von प्रमाद) adj. = प्रमादिन् Ǵaṭâdh. im ÇKDr. Jâǵń. 3, 139.

प्रमादिका (von मद् mit प्र) f. *ein gefallenes Mädchen* Çabdar. im ÇKDr.

प्रमादिन् (wie eben) 1) adj. *fahrlässig, unaufmerksam, unachtsam, nachlässig* P. 3,2,141. MBh. 3,1923 (5,2089). 15128. 12, 2989. 15,101. Hariv. 9885. R. Gorr. 2,79,21. Suçr. 2, 169, 18. Spr. 725. 1243. 2610. 3277. Kathâs. 45,149. Pańḱat. 52,22. सर्वत्र Vikr. 30,14. अ° (s. auch bes.) MBh. 8,680. R. Gorr. 2,13,2. Kathâs. 37,163. Râǵa-Tar. 6,361. Vgl. अ°. — 2) m. Bez. *des 47ten* (*21ten*) *Jahres im 60jährigen Jupitercyclus* Journ. of the Am. Or. S. 6.180; vgl. u. प्रमाथिन् 2, *b*.

प्रमापण (vom caus. von मी mit प्र) 1) adj. f. ई *mordend, Mörder:* पतिगुरुनिन्नापत्यप्रमापणीम् Jâǵń. 2,279. — 2) n. *Tödtung* AK. 2,8,2,81. H. 370. Halâj. 2,322. M. 11,140. Jâǵń. 2,277. R. 5,42,15. 48,4. MBh. 12,13252. Râǵa-Tar. 6,121. युधि प्रापुः °णम् 8,1137. प्रमापन Colebr. und Lois. zu AK.

प्रमापयितर् (wie eben) nom. ag. *dem Untergang zuführend;* davon nom. abstr. °तृत्व n. Çaṁk. zu Ḱhând. Up. 2,10,1.

प्रमायु (von मी mit प्र) adj. = प्रमायुक Shaḍv. Br. 4, 1.

प्रमायुक (wie eben) adj. *dem Untergang —, Verderben verfallend, hinsterbend* TS. 6,5,6,5. TBr. 1,3,10, 10. Ait. Br. 3,11. 44. Çat. Br. 12,1, 1,5. 2,2,4. 14,4,2,19. Shaḍv. Br. 3,7. Âçv. Gṛhj. 2,7. — Vgl. अ°.

प्रमार (von मर् mit प्र) m. *das Sterben* AV. 11,8,33.

प्रमार्जक (von मर्ज् mit प्र) adj. *abwischend* so v. a. *entfernend:* देव्या मन्युप्रमार्जकः MBh. 12,10307.

प्रमार्जन (wie eben) n. *das Abreiben, Abwischen* Suçr. 1,25,4. 17. 99, 17. 2,367,5. अश्रु° *das Abwischen —, Trocknen der Thränen* so v. a. *das Trösten* MBh. 1,7757. 3,451. 12,5263. 5796. Hariv. 8233. R. 3,35,29, 6,75,18. 87,18. Spr. 1110. so v. a. *das Weinen* 3399.

प्रमित s. u. मा mit प्र.

प्रमिताक्षरा (प्र° + अक्षर) f. *ein best. Metrum, 4 Mal* ⏑⏑ — ⏑ — ⏑⏑⏑ — ⏑⏑ — Colebr. Misc. Ess. II, 160 (VII, 13). Çrut. 29. Ḱhandom. 47. Ind. St. 8,380. fg.

प्रमिति (von मा mit प्र) f. = प्रमा *ein richtiger Begriff* AK. 3,3,10.

प्रमी s. वात°; प्रमीत s. u. मी mit प्र.

प्रमीति (von मी mit प्र) f. *Verderben, Untergang* Nir. 10,21.

प्रमीय (wie eben) partic. fut. pass.; s. अ°.

प्रमीला (von मील् mit प्र) f. *das Schliessen der Augen, Schläfrigkeit* AK. 1,1,7,37. 3,4,25,178. H. 313. an. 2,426. Med. r. 42.

प्रमीलिन् (wie eben) m. Bez. eines Unholds (*der die Augen schliesst, Mattigkeit hervorbringt*) AV. 8,6,2.

प्रमुक्ति (von मुच् mit प्र) f. *Befreiung*, Bez. gewisser Sprüche TBr. 3,8,18,4.

प्रमुख (1. प्र + मुख) 1) adj. *a*) *mit dem Gesicht zu — hin* (acc.) *gewandt:* तं सर्वे प्रमुखाः स्वनम्। अप्येकमनसो जग्मुर्यत्रास्यानं प्रधाविताः॥ R. 2,103,36. — *b*) *der vorderste, erste; der vorzüglichste;* = प्रथम, आदि, मुख्य, प्रधान, श्रेष्ठ AK. 3,2,6. Trik. 3,3,51. H. 1437. an. 3,113. Med. kh. 10. Halâj. 4,5. बलेषु प्रमुखो हस्ती Hit. III, 83. गण° *der Vorstand einer Versammlung* Vjutp. 144. Gewöhnlich am Ende eines adj. comp. (f. आ) *den zum Vordersten habend, angeführt von, dieser und so weiter:* वीरसेनप्रमुखं दण्डचक्रम् Mâlav. 9,10. वसिष्ठप्रमुखैर्द्विजैः R. 1,1,34. 8,4. 2,25,8. 65,25. Indr. 2,14. Kumâras. 2,38. Kathâs. 45, 386. Râǵa-Tar. 3,14. 5,186. Prab. 73,10. H. 124. Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6,543,9. 7,12, Çl. 45. गायत्रीप्रमुखं छन्दः AK. 2,7,22. गर्गुच्छ्यामाकप्रमुखाः 2, 4,5.31. सामात्यप्रमुखा (st. अमात्य° wegen eines vorangehenden र) जनाः MBh. 3,3062. प्रीति° so v. a. *freundlich* (vgl. पुरःसर): °वचन Megh. 4. प्रमुख = मान्य *ehrenwerth* Çabdar. im ÇKDr. — 2) m. *a*) *Haufen, Menge* Çabdar. — *b*) *Rottleria tinctoria Roxb.* (पुंनाग) Çabdaḱ. im ÇKDr. — 3) n. *a*) *Anfang* (eines Kapitels) Çaṁk. zu Bṛh. Âr. Up. S. 283. — *b*) *Gegenwart, dieselbe Zeit;* = तदानीं Trik. 3, 2.17. = अन्वपवेला Pratâpar. 72, *b*, 5. — 4) loc. प्रमुखे adv. *voran, vor dem Angesichte, gegenüber, vor* (mit dem gen.): कौशल्यां प्रमुखे कृत्वा *vorangehen lassend* R. 6,111,17. ते ऽवस्थिताः प्रमुखे *gegenüber* Bhag. 2,6. R. 6,76,27. MBh. 4,1199. तस्य सैन्यस्य 2,1156. 2432. Hariv. 4330. 4349. 8039. R. 6,93,3. 98,17. Çâk. 181. Çâk. Ch. 61,1. सेना° MBh. 5, 2242. Am Anfange eines comp. ohne Flexionszeichen: प्रमुखाविष्कृतचारुविभ्रमा Ragh. 8,79. Vgl. प्रमुखतस्.

प्रमुखतस् (von प्रमुख) adv. 1) *voran:* भीष्मं प्रमुखतः कृत्वा MBh. 1,5324. 6,1639. 7,6387. *vor dem Angesicht, gegenüber, vor* (mit dem gen.) ये ये प्रमुखतो ऽभवन् 16,93. न शक्यामि च ते तात स्थातुं प्रमुखतो युधि 2, 1005. 4,1218. 5,460. Hariv. 9149. R. 6,33,23. भीष्मद्रोणप्रमुखतः सर्वेषां च महीक्षिताम्। उवाच Bhag. 1,25. — 2) *vor allen Andern, zuerst, an-*

Institute of Indology & Tamil Studies, Cologne University, Germany 9.2.2007